भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 802

26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मानव दुग्ध बैंक की स्थापना

802. सुश्री कंगना रनौत:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या जिन नवजात बच्चों को मां का दूध नहीं मिलता है, जिसमें उनके लिए आवश्यक पोषण होता है, वे विभिन्न पोषक तत्वों जैसे विटामिन आदि की कमी से पीड़ित होते हैं और उनके बीमार पड़ने की आशंका अधिक होती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या केंद्र सरकार के पास राष्ट्रीय स्तर का मानव दुग्ध बैंक स्थापित करने की कोई योजना या प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ख): माँ का दूध नवजात बच्चों को वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक सभी आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है और निमोनिया, डायरिया और अन्य पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों जैसे अस्थमा, एलर्जी, बचपन में मोटापा, मधुमेह और वयस्क होने पर हृदय रोगों जैसी बीमारियों के जोखिम से सुरक्षा करता है। गहन देखभाल इकाईयों में भर्ती बीमार नवजात शिशुओं के लिए स्तनपान नवजात शिशुओं को माँ के दूध से प्राप्त होने वाले प्रारंभिक पोषण और विशिष्ट लाभों के माध्यम से जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। इससे समयपूर्व रोगों विलंबित सेप्सिस, ब्रोंको-पल्मोनरी डिस्प्लेसिया, नेक्रोटाइज़िंग एंटरोकोलाइटिस और रेटिनोपैथी पर निवारक प्रभाव पड़ता है।

भारत सरकार ने नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (एनआईसीयू) और विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) में भर्ती बीमार, समय से पहले और जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं को दूध पिलाने के लिए सुरक्षित, पास्चुरीकृत मानव दुग्ध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) और मां के स्वयं के दूध पिलाने की सुविधा के लिए मानव दूध और स्तनपान प्रबंधन इकाइयों (एलएमयू) की स्थापना की है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार वर्तमान में देश भर में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 52 व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र और 50 स्तनपान प्रबंधन इकाइयां कार्यरत है।

*****